पंचायतीराज विभाग, अयोध्या।
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), के अन्तर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का विवरणः—

1. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण):—02 अक्टूॅबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की शुरूआत भारत वर्ष में की गयी, जिसका उद्देश्य भारत के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ रखना एवं ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था, जिसमें मुख्य रूप ग्राम पंचायत के समस्त परिवारों को स्वच्छ शौचालय की उपलब्धता/ प्रयोग एवं साफ—सफाई की आदतों में सुधार करना है, जिसमें ग्रामीण जनता को स्वच्छ शौचालय निर्माण हेतु मु0—12000.00 की धनराशि दो किश्तों में उनके व्यक्तिगत खातों में अवमुक्त करना था। अब तक जनपद अयोध्या में कुल—313961 के सापेक्ष शत—प्रतिशत पूर्ति की गयी है।
2. स्वच्छ शौचालयः— स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022—23 एवं 2023—24 में एन0ई0एच0 (NEW EMARGING HOUSEHOULDS) के अन्तर्गत स्वच्छ शौचालय से अवशेष/बढ़े हुए परिवारों को संतृप्त किया जाना है जिसमें वित्त वर्ष 2022—23 का कुल लक्ष्य—18210, वित्तीय वर्ष 2023—24 का कुल लक्ष्य—17189 एवं वित्तीय वर्ष 2024—25 का कुल लक्ष्य—17174 हैं, जिसे शीघ्र ही धनराशि आवंटित करते हुए फोटो अपलोडिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।
3. सामुदायिक शौचालयः— स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत निर्मित कराये गये शौचालयों से वंचित परिवारों जिनके पास भूमि की अनुपलब्धता अथवा आगान्तुओं को शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद की कुल—772 ग्राम पंचायतों में आवश्यकतानुसार 04 एवं 06 सीटर सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराते हुए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को केयर टेकर के रूप में नामित किया गया व उन्हें मु0—6000.00 रू0 प्रतिमाह मानदेय तथा मु0—3000.00 रू0 सामुदायिक शौचालयों के रख—रखाव हेतु वित्त आयोग की धनराशि दी जाती है। उपरोक्त केयर टेकरों द्वारा प्रतिदिन प्रातः—04.00 से 09.00 एवं सांय—04.00 से रात्रि—09.00 बजे तक सामुदायिक शौचालय को नियत समय पर खोला व बन्द किया जाता है, जनपद के विकास खण्डों की ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का संचालन नियमित रूप से सम्बन्धित स्वयं सहायता समूह के नामित सदस्यों द्वारा किया जा रहा है।
4. रेट्रोफिटिंगः— स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के पूर्व निर्मित शौचालयों का सत्यापन पंचायत सहायक के माध्यम से कराते हुए पाये गये आंशिक कमियाँ (जैसे—चैम्बर का टूटा होना, प्लास्टर न होना, एक गडढ़े का निर्माण, सुपर स्ट्रेक्टचर का कार्य, दरवाजा टूटा होना, पानी की टंकी न होना आदि) के निराकरण हेतु 15वें वित्त आयोग की धनराशि से अधिकतम मु0—5000.00 रू0 की धनराशि से मरम्मत कराने हेतु लाभार्थी को उपलब्ध करायी जाती है सम्बन्धित ग्राम पंचायत के पंचायत सहायक द्वारा एप के माध्यम से निर्माण कार्य के पूर्व एवं निर्माण कार्य के पश्चात का जियो टैग कराया जा रहा है। जनपद में रेट्रोफिटिंग का कुल लक्ष्य—90075 के सापेक्ष—19591 शौचालयों का रेट्रोफिटिंग का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है जो लक्ष्य के सापेक्ष—21.75 प्रतिशत है। अवशेष रेट्रोफिटिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जायेगा।

5. आई0ई0सी0:– स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) स्वच्छता के प्रति जनता को जागरूक करने का कार्यक्रम है, जिस हेतु समय–समय पर जनपद स्तर से सहायक विकास अधिकारी (पं0)/खण्ड प्रेरक/ग्राम प्रधानो/सचिवों/सफाई कर्मियों एवं अन्य कार्मिकों की समय–समय पर क्षमता संवर्धन के साथ–साथ ग्रामीण स्वच्छता को सतत् प्रक्रिया के रूप में बनाये रखने हेतु जनता को बैनर, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, उन्मुखीकरण कार्यशाला आदि माध्यमों से जागरूक करना है।

6. एस0एल0डब्ल्यू0एम0:–स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 की शुरूआत वर्ष 2021 से हुई जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों में ओ0डी0एफ0 के स्थायित्व एवं दृश्यमान स्वच्छता हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर सोक–पिट, लीच पिट, फिल्टर चैम्बर, सिल्ट चैम्बर आदि का निर्माण तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु एवं आर0आर0सी0, नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, कचरा पात्र, कचरा वाहन आदि का निर्माण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु निर्माण किया जाना है जिससे ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाया जा सके। उपरोक्त कार्य के सम्पादन हेतु शासन स्तर से 5000 से अधिक आबादी के ग्रामों में ठोस कचरा प्रबंधन हेतु मु0–45.00 एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु मु0–660.00 रू0 प्रति व्यक्ति की दर से तथा 5000 से कम की आबादी में ठोस कचरा प्रबंधन हेतु मु0–60.00 एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु मु0–280.00 रू0 प्रति व्यक्ति की दर से निर्धारित है। जनपद अयोध्या में 772 के सापेक्ष शत–प्रतिशत ग्राम पंचायतों का चयन करते हुए कार्ययोजना शासन स्तर पर प्रेषित की जा चुकी है जिसके सापेक्ष समस्त ग्राम पंचायतों को कार्ययोजना के सापेक्ष धनराशि आवंटित करते हुए कार्य पूर्ण कराया जा रहा है।

7. गोबरधनः– गोबरधन योजनान्तर्गत शासन स्तर से जनपद अयोध्या को मु0–50.00 लाख की धनराशि एलोकेट की गयी थी, जिसके सापेक्ष विकास खण्ड सोहावल की ग्राम पंचायत बैदरापुर की गौशाला में 45 क्यू0बिक0 मीटर का एक संयंत्र स्थापित किया जा चुका है।

8. प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट (पी0डब्ल्यू0एम0):– शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपद अयोध्या के विकास खण्ड सोहावल की ग्राम पंचायत सनाहा में एक प्लास्कि वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना की गयी है जिसमें विकास खण्ड सोहावल के समस्त ग्राम पंचायतों से प्लास्टिक एकत्रित करके मशीनों द्वारा उचित निस्तारण किया जाता है।